Study Badshah®
Private Limited
Badshah of Online Study and E-Learning
www.studybadshah.com

Question Bank
Containing 3 Sample Question Papers
(With Solutions)
Based on IGNOU Syllabus

# Sample Question Paper - I

*(Solved)*

## T.S.-2

## पर्यटन विकास : उत्पाद, संचालन और स्थिति अध्ययन

## ( Tourism Development: Products, Operations and Case Studies )

**Disclaimer/Special Note:** The Sample Question Paper and their answers given here provides you just the approximate pattern of the actual question paper. However, the actual question paper might somewhat vary in its contents, distribution of marks and its level of difficulty. These Sample Answers/Solutions are prepared by the author for the help of the student to get an idea of how he/she can answer the questions. Sample answers may be Seen as the Guide/Reference Guide. Any Omission or Error is highly regretted though every care has been taken while preparing these Sample Answers/Solutions. Please consult you Teacher/Tutor or refer to the prescribed and recommended study material of the university, if you have any doubt or confusion before appearing in the exam.

*समय : 3 घण्टे ]* *[ अधिकतम अंक : 100*

**नोट :** किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

**प्रश्न 1. पर्यटक के रूपरेखाकरण प्रालेखन से आपका क्या तात्पर्य है? किसी पर्यटक स्थल के लिए प्रालेखन किस प्रकार उपयोगी हो सकता है?**

**उत्तर–पर्यटकों की रूपरेखा बनाना** (Making Outlines of Tourists)–पर्यटकों की रूपरेखा बनाते समय प्राय: विश्लेषित किए जाने वाले विशिष्ट लक्षणों में निम्नलिखित बातें भी सम्मिलित रहती हैं–

**1. निवास/आवास स्थान** (Residence)–पर्यटकों के आवास स्थान का अर्थ होता है–"वह जगह जहाँ उसने विगत वर्ष (12 महीने) का अधिकांश समय व्यतीत किया हो अथवा वह वहाँ थोड़े समय ही रहा हो लेकिन 12 महीने के अन्दर ही वहाँ रहने के लिए लौटकर जाना चाहता हो।

**2. शैक्षणिक स्तर** (Educational Standard)–शैक्षणिक स्तर का अर्थ होता है वह सर्वोच्च स्तर जहाँ तक पर्यटक ने शिक्षा पूरी कर रखी है। शैक्षणिक स्तर के सन्दर्भ में पर्यटकों को प्राय: निम्न पाँच श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है–

*(i)* कभी स्कूल न जाने वाला पर्यटक,
*(ii)* प्राथमिक शिक्षा पूरी करने वाला पर्यटक,
*(iii)* माध्यमिक शिक्षा पूरी करने वाला पर्यटक,
*(iv)* विश्वविद्यालय तथा कॉलेज से स्नातक स्तर का अध्ययन पूरा करने वाला पर्यटक,
*(v)* अन्य अध्ययन करने वाला पर्यटक।

**3. आर्थिक स्थिति** (Economic Status)–किसी व्यक्ति की आर्थिक स्थिति उत्पादन कार्य के लिए उसकी उपलब्धता को परिभाषित करेगी। उत्पादन कार्य के लिए प्रस्तुत व्यक्ति को आर्थिक रूप से सक्रिय कहा जायेगा। शेष सभी को गैर-आर्थिक रूप से सक्रिय व्यक्ति माना जायेगा। पर्यटकों को निम्नांकित आर्थिक स्थितियों के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए–

**( 1 ) आर्थिक रूप से सक्रिय पर्यटक**–इसमें निम्नलिखित समाहित हैं–

*(i)* रोजगारशुदा,
*(ii)* बेरोजगार।

*Advertisement*

To get IGNOU Based
Chapterwise Reference Books Including Many Solved Sample Question Papers
for Various Courses Like B.A. B.Com B.A.Hons. M.A. M.Com M.B.A. B.C.A. M.C.A.
M.R.D. M.S.W. M.T.M. B.Sc. BTS BJMC CTE DNHE B.Lis etc. Visit :

www.neerajbooks.com

Study Badshah Private Limited
Badshah of Online Study and E-Learning
www.studybadshah.com

Question Bank
Containing 3 Sample Question Papers (With Solutions)
Based on IGNOU Syllabus

**(2) गैर-आर्थिक रूप से सक्रिय पर्यटक**–इसमें निम्नलिखित समाहित हैं–

(i) छात्र-छात्राएँ,
(ii) गृहणियाँ,
(iii) पेंशन प्राप्तकर्त्ता या बँधी हुई आय वाले लोग,
(iv) अन्य।

**4. व्यवसाय** (Occupations)–आर्थिक रूप से सक्रिय व्यक्ति के व्यवसाय का अर्थ उस काम से है, जिसमें वह लगा हुआ है। पर्यटक सर्वेक्षणों में व्यवसायों के निम्नांकित समूहों की पहचान की गई है–

(i) विधायक (सांसद), वरिष्ठ अधिकारी और मैनेजर,
(ii) पेशेवर लोग,
(iii) तकनीशियन और संबंधित व्यवसायों में लगे लोग,
(iv) क्लर्क,
(v) सेवा कर्मचारी, दुकानों और बाजारों में बिक्री में रत कर्मचारी,
(vi) कुशल खेतिहर मजदूर और मछुआरे,
(vii) दस्तकारी और उससे संबंधित व्यापार से जुड़े मजदूर,
(viii) संयंत्र और मशीन के ऑपरेटर और उन्हें जोड़कर खड़ा करने वाले मिस्त्री,
(ix) प्राथमिक व्यवसाय और
(x) सशस्त्र सेनाओं में काम कर रहे लोग।

**5. वैवाहिक स्तर** (Marital Status)–पर्यटकों का वैवाहिक स्तर इस प्रकार से दर्ज किया जाना चाहिए–

(i) अविवाहित,
(ii) वर्तमान में विवाहित,
(iii) तलाकशुदा/अलग-अलग रहने वाले,
(iv) विधुर अथवा विधवा।

**6. बारम्बारता** (Frequency)–किसी भी पर्यटक स्थल के मौसमिक आकर्षण का अनुमान पर्यटकों द्वारा वहाँ बारम्बार जाने के प्रतिशत के आधार पर लगाया जाता है। प्रति पर्यटक औसत आगमन के आधार पर तैयार यह आँकड़ा भ्रमण की बारंबारता कहलाता है।

छुट्टियों और मनबहलाव के लिए पर्यटक स्थल का चुनाव करने में पर्यटक अनेक पक्षों का ध्यान रखते हैं, जैसे–

(i) पर्यटन स्थलों से जुड़ी सुरक्षा की भावना,
(ii) पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता,
(iii) वहाँ सैर-सपाटे पर होने वाला व्यय।

हर श्रेणी के पर्यटकों के सन्दर्भ में इन पक्षों की पहचान करना पर्यटन को प्रोत्साहन देने वाली प्रभावी रणनीति बनाने के लिए आवश्यक है।

**पर्यटक स्थल के लिये पर्यटक रूपरेखा द्वारा सहायता** (Help by Tourists Outlines to the Tourists Spot)–पर्यटक स्थल के लिये पर्यटक रूपरेखा विभिन्न प्रकार से सहायक होती है। किसी भी व्यवसाय अथवा सेवा की प्रगति के लिए बाजार की आवश्यकताओं के अनुसार उत्पाद का विकास करना अनिवार्य होता है। पर्यटन पर भी यही बात लागू होती है। किसी पर्यटक स्थल की ओर संभावित पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए उनके साथ प्रभावी सम्पर्क स्थापित करना भी महत्त्वपूर्ण है। इसके लिए यह आवश्यक है कि पहले ऐसे पर्यटकों के अलग-अलग समूहों की पहचान कर ली जाए। उनकी रुचियों और आवश्यकताओं को ज्ञात कर लिया जाये। यहाँ प्रभावी सम्पर्क का अर्थ है, उन तक पहुँचना और उनके निवास के भौगोलिक क्षेत्र की जानकारी प्राप्त करना। किसी भी पर्यटक स्थल के पर्यटकों की रूपरेखा तैयार करने से निम्नांकित पक्षों के सुधार में भी सहायता प्राप्त होती है–

(i) विकास के रूप में, प्राथमिकताओं के नियोजन और निर्णय में,
(ii) पर्यटक उत्पादों की विपणन रणनीति में और
(iii) सेवाओं में।

रूपरेखा बनाने में मेहमान-मेजबान के मध्य सबंधों और पर्यटन के प्रभाव को समझने में भी सहायता प्राप्त होती है।

**प्रश्न 2. पर्यटन के संदर्भ में अतिथि-मेजबान संबंधों के अध्ययन की संगतता पर विचार कीजिए।**

**उत्तर**–पर्यटक एक अस्थायी यात्री है जो परिवर्तन के तौर पर अपने सामान्य निवास स्थान से दूर चला आया है। इस अस्थायी निवास के दौरान पर्यटक को काम नहीं करना होता।

पर्यटन में गन्तव्य स्थल के लोगों के साथ पारस्परिक संपर्क भी सम्मिलित है। वास्तव में यहाँ पारस्परिक संपर्क यात्रा के प्रारंभ में ही प्रारंभ हो जाता है जब कोई पर्यटक विभिन्न सेवाएँ उपलब्ध कराने वाले अजनबी लोगों से मिलता है। कुछ लोग पर्यटक मेहमान के मेजबान की भूमिका निभाते हैं।

**मेहमान-मेजबान संबंध** (Guest-Host Relations)–मेहमान-मेजबान संबंध एक संवेदनशील विषय है। मेहमान-मेजबान संबंधों के दो पक्ष हैं–

**(क) मेजबान की अपेक्षायें**

1. आय की प्राप्ति,

Advertisement

To get IGNOU Based
Chapterwise Reference Books Including Many Solved Sample Question Papers for Various Courses Like B.A. B.Com B.A.Hons. M.A. M.Com M.B.A. B.C.A. M.C.A. M.R.D. M.S.W. M.T.M. B.Sc. BTS BJMC CTE DNHE B.Lis etc. Visit :

www.neerajbooks.com

Study Badshah
Private Limited
Badshah of Online Study and E-Learning
www.studybadshah.com

Question Bank
Containing 3 Sample Question Papers
(With Solutions)
Based on IGNOU Syllabus

2. रोजगार की उपलब्धता,
3. उपभोक्ता सामग्री की उपलब्धता,
4. सामाजिक संपर्क,
5. आदर और मर्यादा,
6. संस्कृति, निजी व सार्वजनिक,
7. सामुदायिक जीवन,
8. पर्यटन के प्रति जागरूकता।

**(ख) मेहमान की अपेक्षायें**

1. अजनबी/अन्य लोग,
2. संसाधन और आकर्षण की प्रचुरता,
3. परिवहन और अधिसंरचना की व्यवस्था,
4. सुरक्षा का प्रबंध,
5. उत्सुकता और नवीनता का आभास,
6. पैसे के मूल्य की पूरी वसूली,
7. पारस्परिक सांस्कृतिक संपर्क।

उपर्युक्त बिंदुओं का अध्ययन करके यह ज्ञात किया जा सकता है कि नीति के स्तर पर मेहमान-मेजबान संबंधों के मुद्दे का समाधान किस प्रकार किया जाये। इसके आधार पर ऐसी नीतियाँ बनाई जा सकती हैं जिनसे पर्यटन के मूलभूत उद्देश्यों में विफलता प्राप्त न हो, जिनकी प्राप्ति के लिए पर्यटन को पसंद किया जाता है। पर्यटन से संबंधित समस्यामूलक मुद्दों का स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर पर विचार-विमर्श के बाद पता लगाया जाना चाहिए। जैसे–

*(i)* परिमाण,
*(ii)* पर्यटक की श्रेणी,
*(iii)* पर्यटन की श्रेणी और
*(iv)* पर्यटन उद्योग की प्रकृति आदि।

कारण यह है कि मेहमान और मेजबान दोनों ही पर्यटन उद्योग व उसके प्रशासनिक तंत्र के हितों की सुरक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। सरकार व इस उद्योग से जुड़े लोग केवल परिणामों पर ध्यान देते हैं, उन मानवीय तत्त्वों पर नहीं जो सभ्यताओं के मध्य उद्देश्यपूर्ण आदान-प्रदान के लिए उपयोगी हैं।

विश्व में निम्न प्रकार से परिवर्तन आ रहा है–

*(i)* सांस्कृतिक एकरूपता आ रही है,
*(ii)* संस्कृति में यूरोप अभिमुखी प्रवृत्ति घट रही है।
*(iii)* अंतर्देशीय व बाह्यगामी पर्यटन में पश्चिमी जीवन शैली के प्रति प्रतिरोध बढ़ने के चिह्न हैं। यदि पर्यटकों और स्थानीय लोगों को एक-दूसरे की अपेक्षाओं के प्रति जागरूक न किया गया तो स्वस्थ मेहमान-मेजबान संबंधों के उन आदर्शों के चतुर्दिक ही भटकते रहेंगे जो बार-बार विफल होते रहे हैं।

पर्यटन के विस्तार के साथ-साथ समस्याएँ भी बढ़ रही हैं तथापि उनके समाधान भी सामने आ रहे हैं। भ्रम और बोरियत के मध्य नवीनता, जटिलता और सूचना को ग्रहण करने की मानवीय क्षमताओं के स्तर का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। पर्यटन को सार्वभौमिक रूप में परिभाषित न कर यदि क्रियात्मक व प्रतीकात्मक तौर पर देखा जाए तो निम्न को सरलतापूर्वक समझा जा सकता है–

*(i)* हमारे जीवन और व्यवस्था के साथ उसका क्या संबंध है, और
*(ii)* मेहमान व मेजबान दोनों ही रूपों में हम इसके उद्देश्यों व प्रभावों से किस प्रकार लाभान्वित होते हैं।

समानांतर पर्यटन (Alternative Tourism) और स्थायी पर्यटन (Sustainable Tourism) जैसी अवधारणाएँ स्पष्ट संकेत करती हैं कि मेहमान-मेजबान संबंधों में एक-दूसरे की भावनाओं को समझने की प्रवृत्ति का अभाव है। नई विश्व व्यवस्था में मानवीय संबंधों का स्वरूप बाजार की शक्तियाँ निर्धारित करेंगी। परन्तु जिन पर्यटक स्थलों पर पर्यटकों की सेवाओं का दायित्व अनौपचारिक क्षेत्र ने संभाला हुआ है वहाँ ये शक्तियाँ अपने भौतिकतावादी तत्त्वों के माध्यम से सांस्कृतिक आदान-प्रदान के किसी भी विवेकपूर्ण मॉडल को पीछे धकेल देती हैं। ये भौतिकतावादी तत्त्व लोगों को करीब लाने की बजाए दूर ले जाते हैं। पर्यटक को मेहमान समझने का विचार एक आरोपित विचार है और पर्यटक स्थल को मेजबान के रूप में पेश करने का अर्थ किसी राष्ट्र की जीवन-शैली व परंपराओं के विभिन्न पक्षों के व्यवसायीकरण से है। उनके व्यवसायीकरण से जिनका पहले कभी धन के बदले विक्रय या उपभोग नहीं किया गया है।

उपर्युक्त अध्ययन के दृष्टिगत यह वांछनीय है कि किसी गंतव्य स्थल पर पर्यटन परियोजनाओं की स्थापना से पूर्व विकास के जनोन्मुखी तौर, तरीकों पर ध्यान देना चाहिए और इस संदर्भ में, स्थानीय लोगों पर अध्ययन किया जाना चाहिए।

**प्रश्न 3. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए–**

***(a)* निबल प्रयोज्य आय (विवेकाधीन आय)**

**उत्तर**–किसी व्यक्ति की संपूर्ण आय का वह अंश जो अपने समस्त बुनियादी खर्चे करने के बाद जो बचता है, विवेकाधीन आय कहलाती है। व्यक्ति की विवेकाधीन आय वो आय होती है, जो उसके

Advertisement

To get IGNOU Based
Chapterwise Reference Books Including Many Solved Sample Question Papers
for Various Courses Like B.A. B.Com B.A.Hons. M.A. M.Com M.B.A. B.C.A. M.C.A.
M.R.D. M.S.W. M.T.M. B.Sc. BTS BJMC CTE DNHE B.Lis etc. Visit :

www.neerajbooks.com

Study Badshah
Private Limited
Badshah of Online Study and E-Learning
www.studybadshah.com

Question Bank
Containing 3 Sample Question Papers
(With Solutions)
Based on IGNOU Syllabus

करों के भुगतान और अपनी मुख्य जरूरतों को पूरा करने के पश्चात् बचती है। विवेकाधीन आय को व्यक्ति अपने ऐशो-आराम छुट्टियों या बिना जरूरत की वस्तुओं पर खर्च करता है। एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था के लिए विवेकाधीन खर्च बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। यदि लोगों के पास पैसा होता है तो वे ये पैसा छात्राओं, फिल्मों तथा उपभोक्ता इलैक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर खर्च करते हैं।

*(b)* **नृजातीय पर्यटन**

**उत्तर–नृजातीय पर्यटन का अर्थ** (Meaning of Ethnic Tourism)–प्रारंभ में 'नृजातीय' शब्द को मूल रूप से उन सभी समूहों के लिए प्रयुक्त किया गया जो यहूदी नहीं थे। 15वीं शताब्दी के मध्य तक सभी 'अन्यूस' एवं गैर-ईसाई समूहों को नृजातीय कहा जाने लगा। 19वीं एवं आरंभिक 20वीं शताब्दी में 'नृजातीयता' की सोच का स्थान जाति व संस्कृति के मध्य स्थापित किया गया।

नृजातीय पर्यटन का अभिप्राय उन पर्यटकों से है जिनकी प्रथाओं एवं लोगों के रोमांचकपूर्ण कार्यकलापों में रुचि है। यह विशेष पर्यटन सामान्य पर्यटन से भिन्न है और स्थानीय लोगों पर ध्यान केंद्रित करता है अथवा उनकी ओर आकर्षित करता है। यह 'प्रामाणिक' देशी संस्कृति के साथ घनिष्ठ रूप से संबंधित है। पर्यटक स्थानीय लोगों के घरों में जाते हैं, उनके त्योहारों, नृत्यों, धार्मिक अनुष्ठानों एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के अन्य प्रकारों को जानने एवं उनमें भाग लेने हेतु देशी लोगों से मानवीय संबंध स्थापित करते हैं। इसमें स्थानीय वस्तुओं का क्रय-विक्रय एवं उनका अध्ययन भी समाहित है।

*(c)* **सांस्कृतिक पर्यटन**

**उत्तर**–निम्नलिखित बातों का पर्यटन विकास पर व्यापक प्रभाव पड़ता है–

*(i)* किसी गन्तव्य स्थल पर पर्यटकों का कैसा स्वागत होगा?
*(ii)* मेजबानों को उनकी यात्रा के बारे में कैसा महसूस होता है?
*(iii)* क्या उनका व्यवहार दोस्ताना होगा?
*(iv)* क्या पर्यटक स्थानीय प्रथाओं और भावनाओं का आदर करता है?

पर्यटन नियोजकों व व्यवसायियों को इसे गंभीरता से लेना होगा। इस संबंध को दोनों दिशाओं, अर्थात् मेहमान व मेजबान दोनों की ओर से देखना होगा। प्राय: पर्यटन सेवाओं और पर्यटक स्थलों के विकास में मेजबान की भावनाओं/आवश्यकताओं पर ध्यान नहीं दिया जाता। कहीं-कहीं उन पर विचार होता है, पर गौण रूप में।

इस संदर्भ में निम्नलिखित अध्ययन काफी महत्त्वपूर्ण है–

*(i)* मेहमान/मेजबान,
*(ii)* कंपनी/कर्मचारी,
*(iii)* भूमि प्रयोग संबंधी योजनाकारों/पर्यावरणवादियों के टकराव का पता लगाने,
*(iv)* उसे सुलझाने के लिए पर्यटकों को प्रेरित करने वाले कारकों, उनकी धारणाओं व
*(v)* स्थानीय लोगों/मेजबानों के दृष्टिकोण का।

इस इकाई में निम्नलिखित मुद्दों का अध्ययन किया जायेगा–

*(i)* पर्यटन में मेहमान, मेजबान संबंधों का महत्त्व,
*(ii)* इस संदर्भ में विभिन्न स्थितियों की जानकारी,
*(iii)* तनावमूलक क्षेत्रों के बारे में ज्ञान।

**सांस्कृतिक पर्यटन** (Cultural Tourism)–इसमें पर्यटन पर "स्थानीय रंग" चढ़ा देने और "विलुप्त हो रही जीवन शैली" की पुनर्रचना जैसे पक्ष सम्मिलित हैं। पर्यटक स्थल पर होने वाली गतिविधियों में विरासत-इन व होटलों (Heritage inns and hotels) में भोजन, लोकोत्सव व मेले, दस्तकारी, ऊंट व हाथी की सवारी, किसान संस्कृति और मध्यकालीन परंपराएं हैं। यहाँ मेजबान-मेहमान का प्रभाव बढ़ जाता है। कारण, पर्यटक आवास स्थल से ग्रामीण क्षेत्रों तक सरलतापूर्वक पहुंचा जा सकता है और पर्यटकों की संख्या अधिक होती है। उनका दृष्टिकोण निम्न प्रकार का होता है–

*(i)* वे स्थानीय लोगों को वस्तुओं की तरह देखते हैं,
*(ii)* उनके घरों, उनके काम-काज के तरीके आदि के छाया-चित्र खींचते हैं,
*(iii)* उन्हें छूकर देखते हैं कि वे असली हैं या नहीं,
*(iv)* उनके कपड़ों व गहनों को पहनने का प्रयास करते हैं,
*(v)* उनके संगीत को रिकॉर्ड करते हैं और
*(vi)* उनकी संस्कृति को वीडियो कैमरा में कैद कर लेते हैं।

परिणामत: स्थानीय लोग पर्यटकों के प्रवेश को लेकर अलग-अलग राय में बँट जाते हैं। पर्यटन व्यवसाय द्वारा नियुक्त लोग उनके निजी जीवन के भीतर तक पर्यटन की घुसपैठ कराने का प्रयास करते हैं। पर अन्य लोग अपनी संस्कृतियों में आ रहे परिवर्तनों को देखकर असंतोष से भर उठते हैं।

सांस्कृतिक पर्यटन आज विभिन्न देशों में पर्यटन व्यवसाय को काफी बढ़ावा दे रहा है। इस पर्यटन में पर्यटकों को दूसरे देशों की संस्कृति को जानने का अवसर मिलता है। सांस्कृतिक पर्यटन आज

Advertisement

To get IGNOU Based
Chapterwise Reference Books Including Many Solved Sample Question Papers
for Various Courses Like B.A. B.Com B.A.Hons. M.A. M.Com M.B.A. B.C.A. M.C.A.
M.R.D. M.S.W. M.T.M. B.Sc. BTS BJMC CTE DNHE B.Lis etc. Visit :

www.neerajbooks.com

Study Badshah
Private Limited
Badshah of Online Study and E-Learning
www.studybadshah.com

Question Bank
Containing 3 Sample Question Papers
(With Solutions)
Based on IGNOU Syllabus

विभिन्न देशों के मध्य एक कड़ी के रूप में विद्यमान है। सांस्कृतिक पर्यटन में उन पहलुओं को भी शामिल किया जाता है, जो विलुप्त होती परंपराओं से सम्बद्ध हैं। सांस्कृतिक पर्यटन के अन्तर्गत पर्यटकों का एक दूसरे से विचारों का आदान-प्रदान भी होता है। सांस्कृतिक पर्यटन के अन्तर्गत पर्यटकों को सांस्कृतिक तत्त्वों की जानकारी प्राप्त होती है। पर्यटक उस देश की संस्कृति के प्रत्येक पहलू को देखते हैं, विचारते हैं तथा उसका विश्लेषण करते हैं। भारत जैसे देश में तो सांस्कृतिक पर्यटन बहुत ही लोकप्रिय है। पयर्टक भारत आकर भारत की संस्कृति, नियम, विचार तथा परम्पराओं को जानने का प्रयास करते हैं। सांस्कृतिक पर्यटन में मेजबान तथा मेहमान के बीच सम्बन्ध काफी दृढ़ हो जाता है। सांस्कृतिक पर्यटन विभिन्न देशों की संस्कृति को जानने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है। इसलिए इस पर्यटन का विशेष महत्त्व है।

**प्रश्न 4. खजुराहो उत्सव की विभिन्न वैशिष्ट्यों/विशेषताओं पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।**

**उत्तर–खजुराहो : स्थानीय विशेषताएँ और प्रमुख आकर्षण** (Khajuraho: Local Characteristics and Main Attractions)–मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड, बघेलखण्ड क्षेत्र के छतरपुर जिले की छतरपुर तहसील में स्थित मन्दिरों का एक समूह खजुराहो कहलाता है। यह प्राचीन काल से एक तीर्थस्थल रहा है, पर पर्यटन स्थल के रूप में इसे 1950 के दशक में पहचाना गया।

950–1050 के मध्य निर्मित चौबीस मन्दिरों के इस समूह की ओर भारत सरकार का ध्यान गया और खजुराहो को एक पर्यटन स्थल के रूप में विकास करने की योजना बनाई गई। चंदेल शासकों द्वारा निर्मित इन मन्दिरों में हिंदू, बौद्ध और जैन धार्मिक परम्परा के मन्दिर सम्मिलित हैं। ये प्राचीन भारतीय स्थापत्य और मूर्ति शिल्प के उत्कृष्ट नमूने हैं। इन मन्दिरों का स्थापत्य और मूर्ति शिल्प ही पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र है।

अवस्थिति (लोकेशन) के आधार पर इन मन्दिरों को तीन प्रमुख परिसरों में विभाजित किया गया है–

**विभाजन** (Classification)

*(i)* पश्चिमी
*(ii)* पूर्वी
*(iii)* दक्षिणी

पर्यटकों की दृष्टि से पश्चिमी परिसर सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है।

स्थानीय लोगों और निकटवर्ती क्षेत्र के तीर्थयात्रियों के लिए मांतगेश्वर मन्दिर का धार्मिक महत्त्व है।

खजुराहो घरेलू और विदेशी दोनों प्रकार के पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र है। परन्तु केवल 40–50 पर्यटक ही यहाँ रात में ठहरते हैं। घरेलू पर्यटक विशेषकर छुट्टी के दिनों में या रविवार को खजुराहो घूमने आते हैं। यहाँ का मौसम इस प्रकार का है कि पर्यटक मौसम अक्टूबर से मार्च के आरम्भ तक ही रहता है। गर्मी का मौसम असह्य होने पर पर्यटकों की संख्या नगण्य हो जाती है।

**प्रश्न 5. रोमांच, खेल तथा पर्यटन के अन्तर्संबंध पर विचार कीजिए।**

**उत्तर–रोमांच, खेल और पर्यटन** (Adventure, Games and Sports)–इतिहास के अध्ययन से स्पष्ट है कि किस प्रकार अनेक व्यक्तियों ने खेलों के प्रति अपने शौक की पूर्ति हेतु लम्बी यात्राएँ की हैं, ये यात्रायें चाहे ओलम्पिक में, प्राचीन रोम में, सहभागिता की गई यात्रा हो या फिर बड़े हिंसक पशुओं के शिकार के लिए अफ्रीका महाद्वीप की यात्रा हो।

**वर्तमान स्थिति** (The Present Condition)–वर्तमान में औद्योगिक व वैज्ञानिक प्रगति ने विश्व के विभिन्न भागों के मध्य की दूरी को काफी सीमा तक कम कर दिया है। सुधरती हुई व्यक्तिगत आर्थिक स्थिति ने अधिकांश व्यक्तियों के लिये यात्रा कर सकना सुलभ कर दिया है। लोग जीवन में बेहतर गुणवत्ता की खोज करने लगे हैं और खेल तथा रोमांच के प्रति अपने शौक और जिज्ञासा को पूरा करने तथा मनोरंजन के लिए विशेष रूप से अवकाश लेने लगे हैं। आर्थिक दृष्टि से संपन्न देशों में अनेक पर्यटक स्थल केवल रोमांच और खेलों के लिए उपलब्ध सुविधाओं एवं अधिसंरचना के आधार पर ही अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं। यूरोपीय देशों में आल्प्स की पहाड़ियों में माउंटेनियरिंग तथा स्कीईंग जैसे खेलों के लिए प्रमुख केन्द्र के रूप में चामोनिक्स, जेरमात तथा लेयसिन जैसे पर्यटन स्थल सभी रोमांच प्रेमियों में बहुत लोकप्रिय हैं। कोलोराडो (अमेरिका) और नेपाल जैसी जगहों में वहाँ के प्रशासन तन्त्र ने अपने-अपने क्षेत्रों में पर्यटन को प्रोत्साहित करने हेतु रोमांचक खेलों के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। पश्चिमी देशों में गोल्फ और टेनिस खेलों की सुविधा पर्यटकों के लिये विशेष आकर्षण के विषय रहे हैं। भारत में ये सुविधाएँ उपलब्ध थीं, परन्तु भारत में उन्हें पर्यटकों के लिये आकर्षण केन्द्रों के रूप में उपयोग में लाने के प्रयास अभी कुछ समय पूर्व से ही प्रारम्भ किये गये हैं।

**खेल, पर्यटन व रोमांच** (Sports, Tourism and Adventure)–रोमांच तथा खेलों के माध्यम से पर्यटन के विकास की अपार संभावनाएँ विद्यमान हैं। वे मानव के आमोद-प्रमोद, मनोरंजन तथा रोमांच की इच्छा

Advertisement

To get IGNOU Based
Chapterwise Reference Books Including Many Solved Sample Question Papers
for Various Courses Like B.A. B.Com B.A.Hons. M.A. M.Com M.B.A. B.C.A. M.C.A.
M.R.D. M.S.W. M.T.M. B.Sc. BTS BJMC CTE DNHE B.Lis etc. Visit :

www.neerajbooks.com

# IGNOU MOTHER PUBLICATION - ASSIGNMENTS & GUESS PAPERS & PYQ SOLVED PDF

**INDIA'S NUMBER 1 STUDY MATERIAL PROVIDER**

यह केवल एक सैंपल पीडीएफ है।

यह केवल Sample PDF है। पूरी Solved Assignment या Guess Paper PDF खरीदने के लिए हमारी वेबसाइट पर जाएँ

या

WhatsApp पर मैसेज करें।

**WHATSAPP ONLY: +91 9485943709**

**WHATSAPP ONLY:: +91 9992290905**

**1. Solved Assignment Visit -:: https://motherpublication.in/**

**2. Pyq Solved Guess paper Visit:-: https://mothernotes.in/**

Mother Publication • IGNOU Study Resources